

M.A. (Hindi)

Course Structure

I - Year

1. आधुनिक हिन्दी कविता
2. हिन्दी की गद्य विधाएँ
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद
5. साहित्यकार विशेष का अध्ययन - जयशंकर प्रसाद

II - Year

6. प्राचीन और मध्यकालीन काव्य
7. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का इतिहास
8. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र
9. हिन्दी पत्रकारिता
10. प्रवृत्ति विशेष का अध्ययन - ज्ञानमार्गी शाखा

एम. ए. हिन्दी

प्रथम वर्ष - पाठ्य चर्चा

I. आधुनिक हिन्दी कविता

- (क) साकेत - मैथिली शरण गुप्त (पाठ - नवम सर्ग)
(ख) कामायनी - जयशंकर प्रसाद (पाठ - चिंता, श्रद्धा और इडा सर्ग)
(ग) राम की शक्ति पूजा - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
(घ) सुमित्रानंदन पंत
(पाठ - बादल, मौन मित्रण, नौका विहार, परिवर्तन, भारतमाता, ताजमहल, एक तारा, सुख-दुख)
(ङ) महादेवी वर्मा - संधिनी
(पाठ - गीत संख्या - 1, 2, 7, 14, 18, 21, 22, 23, 24, 25, 29, 30, 31, 37, 39, 45, 55, 56, 57, 58)
(20 गीत) लोक भारती प्रकाशन
(च) कुरुक्षेत्र - रामधारी सिंह 'दिनकर' (पाठ - षष्ठ सर्ग)

II. हिन्दी की गद्य विधाएँ

- (क) उपन्यास :- 1. गोदान - प्रेमचन्द 2. पुनर्नवा - हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. नदी के द्वीप - अज्ञेय
- (ख) कहानी :- 1. कफन - प्रेमचन्द 2. दृष्टिकोण - जैनेन्द्र कुमार
3. उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी 4. दुखवा मैं कासे कहूँ - चतुरसेन शास्त्री
5. रस प्रिया - फणिश्वरनाथ रेणु
- (ग) नाटक :- 1. अंधेर नगरी - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र 2. स्कंदगुप्त - जयशंकर प्रसाद
3. आधे अधूरे - मोहन राकेश
- (घ) एकांकी :- 1. सूर्योदय - कमलाकांत वर्मा 2. उदयन - डॉ. रामकुमार वर्मा
3. यह स्वतंत्रता का युग - उदयशंकर भट्ट
4. सूखी डाली - उपेन्द्रनाथ अशक
5. रीढ़ की हड़डी - जगदीश चन्द्र माथुर
- (ङ) निबन्ध :- 1. चिंतामणि - भाग - 1 - रामचन्द्र शुक्ल
1. रसात्मक बोध के विविध रूप 2. कविता क्या है ?
3. काव्य में लोक मंगल
2. आधुनिक निबन्धावली - डा. विद्यानिवास मिश्र
1. गेहूँ बनाम गुलाब 2. ठेले पर हिमालय

III. हिन्दी साहित्य का इतिहास

- (1) हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन
- (2) काल विभाजन तथा नामकरण
- (3) आदिकाल
- (4) भक्तिकाल
- (5) रीतिकाल
- (6) आधुनिक काल

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी.
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा, रामनारायणलाल बेली माधव, इलाहाबाद.
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली.

IV. प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं अनुवाद

(क) प्रयोजनमूलक हिन्दी

- (1) संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी
- (2) राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी
- (3) राजभाषा के रूप में हिन्दी
- (4) संविधान में हिन्दी भाषा संबंधी उपबन्ध
- (5) राजभाषा अधिनियम और राजभाषा
- (6) प्रमुख शैलियाँ :

कार्यालय हिन्दी - विज्ञान के भाषा के रूप में हिन्दी - वाणिज्य की भाषा के रूप में हिन्दी - विधि शब्दावली

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. पारिभाषिक शब्दावली - कुछ समस्याएँ - रामचंद्र वर्मा
3. व्यावहारिक हिन्दी - आर.एन.दुबे एवं प्रभाकर गुप्ता - नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
4. राजभाषा हिन्दी - डॉ. भोलानाथ तिवारी - प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

(ख) अनुवाद

- (1) अनुवाद :- अर्थ और परिभाषा - अनुवाद क्या है - अनुवाद का महत्व - श्रेष्ठ अनुवाद के लक्षण - अनुवादक की योग्यताएँ

- (2) अनुवाद के प्रकार

- | | |
|---------------------------------|------------------------------|
| 1. अनुवाद की प्रकृति के आधार पर | 2. गद्य-पद्य होने के आधार पर |
| 3. विधा के आधार पर | 4. विषय के आधार पर |

(3) अनुवाद की समस्याएँ

(4) अनुवाद और भाषाविज्ञान

संदर्भग्रंथ

1. अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी

2. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग - सं. डॉ. नगेन्द्र,

प्रका: हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन, निदेशालय, नई दिल्ली विश्वविद्यालय.

3. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ - डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दकार, दिल्ली - 8.

4. अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. जी. गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली

V. सहित्यकार विशेष का अध्ययन

जयशंकर प्रसाद

(क) काव्य	:-	1. कामायनी	2. आँसू	3. लहर
(ख) नाटक	:-	1. स्कंदगुप्त	2. ध्रुवस्वामिनी	3. अजातशत्रु
(ग) उपन्यास	:-	1. कंकाल		
(घ) कहानी	:-	1. आकाशदीप	2. सालवती	3. पुरस्कार

VI. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

- (क) विद्यापति : विद्यापतिका - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
- (ख) कबीर - संपा. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- (ग) जायसी ग्रंथावली : पद्मावत - सं. रामचंद्र शुक्ल (पाठ - नागमती वियोग खण्ड)
- (घ) सूरदास : सूर पंचरत्न - सं. लाला भगवानदीन, प्रका. रामनारायणलाल बेनी माधव, इलाहाबाद
(पाठ - 1. विनय के पद 2. बाल कृष्ण 3. भ्रमरगीत)
- (ङ) तुलसी दास - (पाठ - 1. रामचरितमानस 2. कवितावली 3. विनय पत्रिका)
- (च) मीराबाई - (पाठ - पदावली)
- (छ) केशवदास
- (ज) बिहारीलाल - बिहारी सत्सई
- (झ) धनानंद

VII. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा का इतिहास

(क) भाषा विज्ञान

- (1) भाषा वैज्ञानिक अध्ययन की पद्धति और स्वरूप
- (2) भाषा वैज्ञानिक विश्लेषण की इकाइयाँ - वाक्य, रूपिम और स्वनिम
- (3) स्वन विज्ञान - ध्वनि के भेद तथा वर्गीकरण

- (4) रूप विज्ञान
- (5) रूपस्वनिमिकी का स्वरूप तथा भेद
- (6) वाक्य विज्ञान
- (7) प्रोस्ति विज्ञान

संदर्भ ग्रंथ

1. भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी - प्रका. किताब महल, इलाहाबाद
2. हिन्दी भाषा का रूपिमीय विश्लेषण - डॉ. लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा
3. हिन्दी रूपविज्ञान - डॉ. चमनलाल अग्रवाल, प्रका. अग्रवाल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, प्रका. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

(ख) हिन्दी भाषा का इतिहास

- (1) हिन्दी भाषा की उत्पत्ति एवं ऐतिहासिक विकास
- (2) प्राचीन, मध्य, आधुनिक भारतीय आर्य-भाषाएँ की वर्गीकरण तथा विशेषताएँ
- (3) हिन्दी भाषा और उसकी प्रमुख बोलियाँ
- (4) देवनागरी लिपि का ऐतिहासिक विकास और सुधार

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी : उद्भव, विकास और रूप - डॉ. हरदेव बाहरी, प्रका. किताब महल, इलाहाबाद
2. हिन्दी भाषा और लिपि - डॉ. सत्यनारायण त्रिपाठी, प्रका. विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. हिन्दी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी - प्रका. किताब महल, इलाहाबाद

VIII. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र

(क) भारतीय काव्यशास्त्र

- (1) भारतीय काव्यशास्त्र के संप्रदाय - विविध काव्य सिद्धांत काव्य के भेद - काव्य की आत्मा - काव्य प्रयोजन
- (2) शब्द - शक्ति
- (3) रस, छंद, अलंकार
- (4) काव्य हेतु : प्रतिमा, व्युत्पत्ति और अभ्यास
- (5) नाटक, उपन्यास, कहानी, आलोचना, निबंध आदि के तत्वों का विवेचन
- (6) काव्य में बिंब, प्रतीक, मिथक और फैटसी

(ख) पाश्चात्य काव्य शास्त्र

- (1) प्लेटो - काव्य प्रेरणा का सिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत
- (2) अरस्तू - अनुकरण एवं विवेचन सिद्धांत
- (3) लांजिनस - काव्य में उदात्त
- (4) कोलरिज - कल्पना सिद्धांत - कल्पना और फैटसी

- (5) क्रोचे - अभिव्यंजनवाद
- (6) आई.ए. रिचर्ड्स - मूल्य सिद्धांत एवं संप्रेषणा सिद्धांत
- (7) टी.एस. इलियट : परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा, वस्तुनिष्ठ समीकरण, निवैक्तिकता सिद्धांत

संदर्भग्रंथ

1. भारतीय काव्यशास्त्र - सत्यदेव चौधरी
2. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. बलदेव उपाध्याय
3. रस सिद्धांत - डॉ. नगेन्द्र
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा - सं. डॉ. सावित्री सिन्हा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
5. पाश्चात्य साहित्य चिंतन - डॉ. निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन

IX. हिन्दी पत्रकारिता

- (1) पत्रकारिता का स्वरूप और उद्देश्य
- (2) हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास
- (3) पत्रकारिता की स्वाधीनता - पत्रकारिता : व्यवसाय के रूप में
- (4) पत्रकारिता के विविध आयाम व तदनुरूप पत्रों के भेद
- (5) हिन्दी भाषा और पत्रकारिता - भाषा के विकास में पत्रकारिता का योगदान
- (6) समाचार पत्र के स्वरूप तथा महत्व
- (7) समाचार पत्र के मुख्य संघटक तत्व
- (8) समाचार पत्र का संगठन

संदर्भग्रंथ

1. हिन्दी पत्रकारिता - विकास और विविध आयाम - डॉ. सुशीला जोशी
2. व्यावसायिक हिन्दी - डॉ. भोलानाथ तिवारी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
3. समाचार पत्र व्यवस्थापन - श्री अनंत गोपाल ऐकडे, हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, मध्य प्रदेश
4. हिन्दी पत्रकारिता - डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र

X. प्रवृत्ति विशेष का अध्ययन

ज्ञानमार्गी शाखा

- (1) संत काव्य - ज्ञान मार्गी शाखा - उद्भव एवं विकास
- (2) ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख कवि - कबीरदास
- (3) कबीर की भक्ति भावना
- (4) कबीर की समन्वय - साधना
- (5) कबीर का जीवन दर्शन
- (6) कबीर का रहस्यवाद - प्रेमानुभूति तथा विरहानुभूति
- (7) कबीर का काव्य-सौष्ठव